दर्शनशास्त्र

14

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा: बी.ए.	वर्ष:: प्रथम	सत्र: 2021-22
विषय: दर्शनशास्त्र				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1PHILIT (1T)		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	योग दर्शन .सिद्धांत एंव अभ्यास प्रश्न पत्र – I (1)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/...)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा	बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण समस्त विद्यार्थीयों के लिये		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1-प्राचीनतम काल से योग दर्शन ने अपने महत्व को स्थापित किया है । वर्तमान समय में भी योग शिक्षा समय की मांग तथा प्रासंगिक है । 2- योग शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी अपनी पुरातन परम्परा से परिचित हो सकेंगे। 3- छात्र यह भी जान सकेंगे की किस प्रकार प्राचीन काल के लोग स्वस्थ प्रसन्न एवं दीर्घ जीवी होते थे। 4- योग शिक्षा के माध्यम से छात्र अपने स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास के प्रति जागृत हो सकेंगे, साथ ही वे यह भी सीख सकेंगे कि कैसे आध्यात्मिकता के क्षेत्र में प्रविष्ट हुआ जाता है। 5- योग प्रशिक्षण के द्वारा छात्र अपने को भविष्य के जीवन यापन हेतु तैयार हो सकेंगे। उदाहरण के लिए वे योग केन्द्रो एवं फिटनेस केन्द्रो मे प्रशिक्षक के रुप मे नियुक्ति प्राप्त कर सकेंगे। 6- योग शिक्षा के द्वारा वर्तमान महामारी से ग्रस्त व्यक्तियों एवं महामारी से ठीक हुए व्यक्तियो के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को उत्तम बनने मे सहायक हो सकेंगे। 7- योग शिक्षा अर्जित करने के बाद छात्र विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी कार्यशालाएं आयोजित कर सकेंगे, साथ ही विभिन्न व्यवसायिक केन्द्रो मे प्रशिक्षक के रुप मे अपने को स्थापित कर सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	04+00=04		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

Awasthi
डा. विनीता अवस्थी
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-60,ट्यूटोरियल- प्रायोगिक L-T-P: 2+0+1(प्रति सप्ताह घंटे में)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	योग का परिचय - 1.1 योग का अर्थ, योग दर्शन विभिन्न परिभाषाएँ, 1.2 योग दर्शन उत्पत्ति एवं इतिहास 1.3 योग का महत्व एवं लाभ । कुजी शंब्द- अथयोगानुषासन,योगश्चित्त वृत्ति निरोध योग सूत्र	12
II	विभिन्न शास्त्रों में योग का स्वरूप- 1.1 वेद, 1.2 उपनिषद्, 1.3 बौद्ध, 1.4 जैन। कुजी शंब्द- हिरण्यगर्भो योगस्य वक्तः,प्रेक्षाध्यान , अष्टांग मार्ग, विपश्यना	12
III	योग का परम्परागत प्रारूप- 1.1ज्ञानयोग– विवेक, वैराग्य, षट्संपत्ति, मुमुक्षत्व् 1.2कर्मयोग - स्थितप्रज्ञ,निष्काम कर्म, 1.3भक्तियोग -भक्त के गुण, नवधा भक्ति, भजन, मंत्र,सत्संग, मंत्र का वैज्ञानिक महत्व। कुंजी शब्द - साधन चतुष्टय, योगाः कर्मसु कौशलम, स्थितप्रज्ञ,नवधा भक्ति, गायत्री मंत्र,महामुत्युंजय मंत्र	12
IV	योग दर्शन- 1.1योग महर्षियों का जीवन परिचय – महर्षि पतंजलि, गोरखनाथ,महर्षि दयानन्द, स्वामी विवेकानन्द। 1.2अष्टांग योग- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि। कुंजी शब्द - बहिरंग और अंतरंग साधन, अष्टांग योग, समाधि के प्रकार	12
V	सूर्य नमस्कार, आसन एवं प्राणायाम - 1.1 सूर्य नमस्कार -- विभिन्न चरण, सावधानियाँ एवं महत्व, 1.2 आसन- - प्रकार सावधानियाँएवं महत्व, 1.3 प्राणायाम - प्रकार सावधानियाँ एवं महत्व कुंजी शब्द - सूर्य नमस्कार, आसन एवं प्राणायाम	12

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन	
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:	
1	गोयनका हरिकृष्णदास योगदर्शन -, गीताप्रेस गोरखपुर,2018
2	स्वामी तीर्थ ओमानन्द पातंजल योग प्रदीप -,गीताप्रेस गोरखपुर,सं0 2018
3	श्रीमद्भगवद्गीता - गीता प्रेस गोरखपुर, 2018

डा. विनीता अवस्थी, दर्शनशास्त्र
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

I	**Introduction of Yoga –** 1.Meaning of Yoga, 2.Brief introduction of origin and history of yoga Philosophy. 3. Different Definitions. 4. Importance and Benefits of yoga. **Key words- Yoga, Athayoganushashan, Yogas chitta- vritti nirodha**	12
II	**The nature of Yoga in various scriptures –** 1Veda, 2Upanishad 3 Jainism. 4.Buddhism **Key words -Hirayangarbho yogas vakta, prekshadhayan,Ashtang marg. vipushana**	12
III	**Traditional Models of Yoga** **1 Gyana yoga –** Four stages of knowledge - Viveka,Vairagya, Shadsampatti, Mumukshutva **2.Karma Yoga -** Nishkam Karma, Sthitaprajny, **3 Bhakti Yoga –**Qualities of Devotee, Navdha Bhakti, Benefits of Hymn, Mantra,Satsang, Scientific importance of mantras. **Keywords –** Sadhasn chatushtaya,Yogah karmasu kaushalam, Sthitaprajny, Navadhabhakti	12
IV	**Yoga Philosophy** **1 A Life sketch of yogis** -Maharshi Panjali, Maharshi Gorakshnath, Maharshi Dayanand, Swami Vivekanada. **2 AshtangaYoga -.** **Key word – Internal and External means, ashtanga yaoga,type of samadhi**	12
V	**Suryanamaskar , Asana and Pranayama** **1Suryanamaskar** - Steps of Suryanamskar ,Importance and precautions **2Asana** - Types of Asanas –Importance and precautions. **3Pranayama –** Types of Pranayama, Importance and precautions. **Key words –Suryanamaskar, Asana ,Pranayama pranayam**	12

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1 Iyengar B.K.S. Light on Yoga. Schoken Books, 1995
2 Prof. Singh, R.H. The Fundamentals of contemporary yoga and yoga therapy . Chaukhambha prakashan, 2018.
3 Dr. Gharote M.L. Teaching method for yogic practices Kaivlyadham samiti. Loanavala, 2001.
4 Rangnathananda Swami The Message of Upanishads Published by Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay,2016.
5 Shivananda, Swami Yoga Mind and Body, DK publisher, 2010
6 Tiwari,O.P. Asana Why & How ? Kaivalyadham,Swami Kuvalayanand marg ,Lonavla,Dist Pune Eighth e edition April 2018
7 sharma shri ram acharya yog darshan yog darshan Sanskriti sansthan Bareilly 1996

डॉ. विनीता अवस्थी, दर्शनशास्त्र
अध्यक्षा केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय

कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा: बी.ए.	वर्ष:: प्रथम	सत्र: 2021-22

विषय: दर्शनशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-PHIL2T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	नीतिशास्त्र का परिचय - प्रश्न पत्र -II	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : कोर कोर्स	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा	बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण समस्त विद्यार्थीयों के लिये	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. नीतिशास्त्र के इस पाठ्यक्रम के अध्ययन को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी अपने व्यवहार एवं कार्यों के प्रति सचेत रहेगा। 2. वह अपने कार्यस्थल पर समाधानपरक नीतियों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने का ज्ञान रखेगा। 3. वह नैतिक विचारकों एवं दार्शनिकों के बारे में जानेगा जो उसके ज्ञान को विस्तार प्रदान करेंगे।	
6	क्रेडिट मान	6+0=6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या -90, ट्यूटोरियल- प्रायोगिक L-T-P 3+0+0=3 (प्रति सप्ताह घंटे में)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	**दर्शन का परिचय** 1. दर्शन की अवधारणा, दर्शन की मुख्य शाखाएँ - तत्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा और मूल्यमीमांसा। 2. भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन में भेद। 3. सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक नीतिशास्त्र। 4. नीतिशास्त्र की विशेषताएँ एवं मानव के लिए इसकी आवश्यकता। कुंजी शब्द - दृश्यते अनेन इति दर्शनम्, दर्शन की शाखाएँ, व्यावहारिक नीतिशास्त्र।	18
II	**भारतीय नीतिशास्त्र अवधारणा और स्वरुप** 1. भारतीय नीतिशास्त्र अवधारणा, नीतिशास्त्र का स्वरुप एवं क्षेत्र। 2. भारतीय परम्परा में मानवीय मूल्य एवं इतिकर्तव्यता का सिद्धांत। 3. भारतीय नीतिशास्त्र की आधारभूत मान्यताएँ - वैदिक दर्शन के विशेष सन्दर्भ में - आध्यत्मिकता, पुर्नजन्म, कर्मवाद। 4. उपनिषदों, गीता योगवाशिष्ठ एवं मनुस्मृति में नैतिकता का स्वरुप। कुंजी शब्द - भारतीय नीतिशास्त्र, इतिकर्तव्यता, आध्यत्मिकता, पुर्नजन्म, कर्मवाद, श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम, मनुस्मृति ।	18
III	**भारतीय नीतिशास्त्र अवधारणा और स्वरुप** 1. ऋत का नियम एक प्राकृतिक नैतिक व्यवस्था। 2. ऋण एक नैतिक प्रत्यय-देव ऋण, गुरु ऋण, मातृ-पितृ ऋण। 3. गीता में लोक संग्रह की भावना एवं कर्म के प्रकार-सञ्चित, प्रारब्ध, क्रियमान। 4. आश्रम व्यवस्था – ब्रह्मचर्य गृहस्थ वानप्रस्था एवं सन्यास। कुंजी शब्द – ऋत, ऋण, लोक संग्रह, कर्म के प्रकार, आश्रम।	18

Awasthi
डॉ. विनीता अवस्थी, दर्शनशास्त्र
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मंडल

IV	**भारतीय नीतिशास्त्र के मुख्य सिद्धान्त** 1. पुरुषार्थ चतुष्टयं - धर्म अर्थ काम एवं मोक्ष मूल नैतिक कर्तव्य के रूप में 2. चार्वाक दर्शन का सुखवाद, जैन दर्शन के पंचमहाव्रत, 3. बौद्ध दर्शन में पारमिता एवं ब्रहम विहार। 4. योग दर्शन में यम एवं नियम। **कुंजी शब्द - धर्मो रक्षति रक्षितः, पुरुषार्थ, नास्तिक दर्शन, योग दर्शन।**	18
V	**पंचतत्वों की जीवन में आवश्यकता संवर्धन, संरक्षण एवं सम्मान - पर्यावरणीय नीतिशास्त्र** 1. जल, अग्नि, वायु, आकाश एवं पृथ्वी - प्रकृति प्रदत्त पंचतत्वों की जीवन में आवश्यकता - संवर्द्धन संरक्षण एवं सम्मान। 2. सनातन धर्म में पंचतत्वों का संरक्षण एवं यज्ञ का महत्व। 3. चेतन एवं अचेतन अस्तित्व परिस्थितकी तंत्र के लिए अपरिहार्य, हिंसा एक अनैतिक कृत्य। 4. व्यावसायिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में पंचतत्वों के संरक्षण की आवश्यकता, पर्यावरणीय नैतिकता। **कुंजी शब्द - सर्वखल्विदं ब्रह्म पंचमहाभूत, नैतिक पर्यावरण, यज्ञ, व्यावसायिक एवं औद्योगिक नैतिकता।**	18

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. डॉ. मिश्र, नित्यानंद नीतिशास्त्र (सिद्धान्त तथा प्रयोग), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2005
2. डॉ. वर्मा, वेद प्रकाश नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त, एलाइड पब्लिकेशन, दिल्ली, 1977
3. डॉ. वर्मा, अशोके कुमार नीतिशास्त्र के सिद्धान्त, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1977
4. डॉ. पाण्डेय, संगमलाल नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण, सेन्ट्रल पब्लिशिंग हाऊस, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. जाटव, डी. आर. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर, 2006
6. डॉ. शाक्य राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. खरे प्रदीप कुमार, नीतिशास्त्र मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल म.प्र.
7. डॉ.उपाध्याय, बलदेव भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर वाराणसी, 1997
8. डॉ. मिश्र, श्रीकान्त भारतीय नीतिशास्त्र, आशा पब्लिशिंग कम्पनी, आगरा, 2018
9. डॉ. मिश्र, एच एन नीतिशास्त्र की भूमिका, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, 1984
10. डॉ. शाक्य, जे. पी. भारतीय नीतिशास्त्र,अशोक प्रकाशन आगरा, 2015
11. डॉ.. गर्ग, एच एम पर्यावरण अध्ययन, 9859 कोड 9859प 978-93-5167-580-8
12. डॉ. देव रत्ना नीतिशास्त्र एक परिचय मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल म.प्र.

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1.अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. Ethical Readings: Home–https://epustakalay.com(searched on – 25.05.2021, Saturday,21:03)
2. https://ndpr.nd.edu/reviews/ethics-and-the-history-of-indian-philosophy
3. Ethics Readings: Philosophy, Department of: Loyola University, Chicago – https://epustakalay.com(searched on – 25.05.2021, Saturday, 21:03)
4. https://www.routledge.com/Indian-Ethics-Classical-Traditions-and Contemporary-Challenges-Volume/Bilimoria-Prabhu-Sharma/p/book/9781138062696
5. https://www.ethicsindia.com

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंक :25
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 कुल अंक 75

डॉ. विनीता अवस्थी, दर्शनशास्त्र
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

Theory Paper

Part A Introduction

Program: Certificate	Class : BA	Year: First	Session: 2021-22
	Subject: PHILOSOPHY		

1	Course Code	A1-PHI2T
2	Course Title	An Introduction to Ethics - Paper-II
3	Course Type Generic Elective	Core Course
4	Pre-requisite (if any)	Open for all
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. After completion of the study of Ethics the student will become more conscientious about his actions and behavior. 2. He will acquire knowledge of implementing ethical solutionsin making policies at his workplace. 3. He will know about ethical thinkers and Philosophers which will broaden his horizon.
6	Credit Value	6+0=6
7	Total Marks	Max. Marks: 25+75 — Min. Passing Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-90,Tutorials-Practical
L-T-P: 3+0+0=3 (in hours per week)

Unit	Topics	No. of Lectures
I	**Introduction of Philosophy** 1 Concept of Philosophy. Main branches of Philosophy - Metaphysics. Epistemology and Axiology. 2 Difference between Indian and Western Philosophy. 3 Theoretical and Applied Ethics. 4 Characteristics of Ethics and its necessity for human being. **Key word - Drishyate Anena Iti Darshanam, Branches of Philosophy, Applied Ethics**	18
II	**Indian Ethics –Concept and Nature** 1. Concept of Indian Ethics its nature and scope. 2. Human Values and principle of Ikekartavyata (dutifulness) in Indian Traditions 3. Basic postulates of Indian Ethics - Special reference with Vedic Darshan- Spirituality, Rebirth ,Karmawad 4. Nature of Ethics in Upanishads , Geeta ,Yogavasistha and Manusmriti. **Key word – Indian Ethics , Spirituality, Rebirth, Karmawad ,Upnishad Geeta, Shraddhavanlabhatejnanam,Manusmriti**	18
III	**Indian Ethics Concept and Nature** 1. Concept of Rit - The Natural Ethical system . 2. The Rin (debt) an ethical concept – Devrin, Gururin, Matra Pitrarin 3. Concept of Loksangrah and Swadharma in Shrimadbhagavadgeeta. 4. Ashram Vyavastha–Brahmacharya. Grihastha. Vanapratha. Sanyasa. 5. **Key word – Rit, Rin, Loksangrah, Swadharma, Ashram Vyavastha**	18

IV	**Main Principles of Indian Ethics** 1. Purushartha Chatushtaya – Dharma, Artha, Kaama and Moksha – as main moral duties. 2. Hedonism of Charvaka, Panchamahavrata of Jaina Philosophy. 3. Parmita and Brahmavihar in Buddhist Philosophy. 4. Yama and Niyama in Yoga Philosophy. **Key word – Dharmo Rakshati Rakshitah, Purushartha, Hetrodox Philosophies; Yoga Philosophy.**	18
V	**Five Elements (Panchmahabhut)- Enrichment, Conservation & Respect-Environmental Ethics** 1. Water, Fire, Air, Sky and Earth – Necessity of Panchmahabhut (Five Elements) in life its Enrichment, Conservation and Respect. 2. Enrichment,Conservatio and Respect of Panchatattva and importance of Yagya in Sanatan Dharma 3. Essentiality of Conscious and Unconscious. Existence for Ecological System, Violence an Immoral action. 4. Necessity of protection of five elements in Professional and Industrial Sector, Environmental Ethics. **Key word – Sarvamkhalvidam Brahma, Panchmahabhut (Five Elements), Yagya Environmental Ethics.**	18

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1 Dutta & Chatterjee, An Introduction to Indian Philosophy, University of Calcutta, 1968

2 M Hiriyanna, Outlines of Indian Philosophy, George Allen and Unwin, London, 1932

3 Peter Singer, Practical Ethics, Cambridge University, Cambridge, 2011

4 Simon Blackburn, Ethics A very short Introduction, Oxford University Press, 2001

5 Dr. Vimal Agrawal, e-book 8080, 978-93-5167-173-2

Suggested equivalent online courses:

01 Ethical Readings: Home – https://www.ethicalreading.org.uk (searched on 25.05.2021, Saturday, 20.55)

02 https://ndpr.nd.edu/reviews/ethics-and-the-history-of-indian-philosophy/

03 Ethics Readings. Philosophy, Department of: Loyola University, Chicago – https://www.luc.edu (searched on 25.05.2021, Saturday, 20.55)

04 https://www.routledge.com/Indian-Ethics-Classical-Traditions-and-Contemporary-Challenges-Volume/Bilimoria-Prabhu-Sharma/p/book/9781138062696

05 5. https://www.ethicsindia.com

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25	Class Test Assignment/Presentation	15 10
External Assessment : University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	Section(A) : Three Very Short Questions (50 Words Each) Section (B) : Four Short Questions (200 Words Each) Section (C) : Two Long Questions (500 Words Each)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 Total 75

Any remarks/ suggestions:

डॉ. विनीत) अवस्थी, दर्शनशास्त्र
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

(5)

Unified Annual Syllabus (एकीकृत वार्षिक पाठ्यक्रम) : Philosophy- दर्शनशास्त्र
बी.ए. – द्वितीय वर्ष –2020–2021
B.A. Second Year - ~~2020~~-2021 - 2022
प्रथम प्रश्न पत्र: भारतीय दर्शन
PAPER- I: Indian Philosophy

इकाई 1– भारतीय दर्शन की प्रमुख विशेषताएँ। वैदिक एवं अवैदिक परम्परा, चार्वाक दर्शन– भौतिकवाद, ज्ञानमीमांसा

UnitI- Fundamental characteristics of Indian Philosophy, Vedic and Non Vedic traditions, Charvak Philosophy-Materialism, Epistemology

इकाई 2– जैन दर्शन– स्याद्वाद, अनेकान्तवाद, जीव– अजीव, बन्धन एवं मोक्ष।
बौद्ध दर्शन – चार आर्यसत्य, क्षणिकवाद, अनात्मवाद

Unit II.-Jain Philosophy-Syadvad, Anekantvad, Jiva-Ajiva, Bondage and Liberation(Moksha)
Buddhism-Four Noble truths, Momentarism, No soul theory.

इकाई 3– न्याय दर्शन – ज्ञानमीमांसा, प्रत्यक्ष, अनुमान , उपमान , शब्द
वैशेषिक दर्शन – सप्त पदार्थ , परमाणुवाद

Unit III- Nyaya Philosophy-Epistemology, Perception, Inference, Comparison, Testimony
Vaisheshika Philosophy- Seven Padarthas, Atomism.

इकाई 4– सांख्य दर्शन– सत्कार्यवाद , प्रकृति एवं पुरूष , विकासवाद
योग दर्शन – अष्टांग योग , ईश्वर , योग का महत्व

Unit IV- Sankhya Philosophy- Satkaryavad , Prakriti and Purusa , Theory of Evolution.,
Yoga Philosophy-Ashtanga yoga, God, Importance of yoga

इकाई 5– (अ) मीमांसा– ज्ञान का सिद्धांत।
(ब) अद्वैत वेदांत– शंकराचार्य, ब्रहम, जीव, जगत्, माया एवं मोक्ष।
(स) विशिष्टाद्वैत– रामानुज, ब्रहम , जीव, जगत्, एवं मोक्ष , मायावाद का खण्डन।

Unit V- (A)Mimamsa- Theory of Knowledge.
(B)Advaita Vedanta-Shankaracharya, Brahma, Jiva , Jagat, Maya and Moksha.
(C)Vishistadvaita – Ramanuja – Brahma, Jiva, Jagat – Moksha, Refutation of Mayavada.

अंक वितरण(नियमित)

Distribution of Marks (Regular)

1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
Objective questions:	5 X 1 = 5
2) लघु उत्तरीय प्रश्न	
Short answer questions:	5 X 2 = 10
3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
Long answer questions:	5 X 5 = 25
Total:	40

अंक वितरण(स्वाध्यायी)

Distribution of Marks (Private)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
Objective questions:	5 X 1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	
Short answer questions:	5 X 3 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
Long answer questions:	5 X 6 = 30
Total:	50

नोट: दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में प्रत्येक 40 अंकों का होगा तथा सतत् व्यापक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छः माही के होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्नपत्रों के कुल अंक 100 होंगे।

Note: The two Theory Papers will carry maximum marks 40 each and CCE (10 marks quarterly and 10 marks half yearly) will be of 20 marks. Thus total of both papers will be of 100 marks.

(7)

Unified Annual Syllabus (एकीकृत वार्षिक पाठ्यक्रम) : Philosophy- दर्शनशास्त्र
बी.ए. – द्वितीय वर्ष –2020–2021
B.A. Second Year - ~~2020~~-2021 – 2022
द्वितीय प्रश्न पत्र: पाश्चात्य दर्शन
PAPER- II: Western Philosophy

इकाई 1– पाश्चात्य दर्शन का स्वरूप,सुकरातीय पद्धति ,प्लेटो– ज्ञान सिद्धांत , अरस्तू का कारणतावाद , द्रव्य एवं आकार

Unit I- Nature of Western Philosophy, Socratic Method, Plato- Theory of Knowledge. Aristotle's Theory of causation, Matter and Form.

इकाई 2– मध्ययुगीन दर्शन की विशेषताएँ, संत आगस्टाइन– ईश्वर एवं जगत का सम्बन्ध , संत अन्सेल्म– ईश्वर का स्वरूप, संत थामस एक्वीनास– ईश्वर का स्वरूप।

Unit II.-Characteristics of Medieval Philosophy- St. Augustine- Relation between God and World , St. Anselm- Nature of God, St. Thomas Aquinas- Nature of God.

इकाई 3– बुद्धिवाद का स्वरूप, डेकार्ट– सन्देह पद्धति, द्रव्य की परिभाषा , द्वैतवाद (शरीर एवं मन)
स्पिनोजा– द्रव्य विचार, गुण एवं पर्याय, समानान्तरवाद
लाइबनिज–चिद्बिन्दुवाद, पूर्व स्थापित सामंजस्य का सिद्धांत

Unit III- Nature of Rationalism, Descartes- Method of doubt, Definition of substance, Dualism (Body and Mind)
Spinoza- Concept of Substance, Attributes and Modes, Parellelism
Liebnitz- Monadology, Pre established Harmony theory

इकाई 4– अनुभववाद का स्वरूप, जान लॉक– जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन, ज्ञान मीमांसा
बर्कले– प्राथमिक एवं द्वितीयक गुणों के विभाजन का खण्डन, सत्ता दृश्यता है, आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद
डेविड ह्यूम– सन्देहवाद, आत्मा का खण्डन

Unit IV- Nature of Empiricism – John Locke- Refutation of innate ideas, Epistemology
Berkeley- Refutation of distinction between primary and secondary Qualities, Esse ist Percipii, Subjective idealism
David Hume- Scepticism, Refutation of self

इकाई 5–एमैनुअल कान्ट– समीक्षावाद , बुद्धि की कोटियाँ, देश एवं काल
हीगल – निरपेक्ष प्रत्ययवाद, द्वन्द्वात्मक पद्धति।

Unit V- Immanual Kant- Criticism, Categories of Understanding , Space and time
Hegel- Absolute Idealism, Dialectical Method.

अंक वितरण(नियमित)

Distribution of Marks (Regular)

1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न Objective questions:	5 X 1 = 5
2) लघु उत्तरीय प्रश्न Short answer questions:	5 X 2 = 10
3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न Long answer questions:	5 X 5 = 25
Total:	40

अंक वितरण(स्वाध्यायी)

Distribution of Marks (Private)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न Objective questions:	5 X 1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न Short answer questions:	5 X 3 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न Long answer questions:	5 X 6 = 30
Total:	50

Unified Annual Syllabus (एकीकृत वार्षिक पाठ्यक्रम) : Philosophy- दर्शनशास्त्र
बी.ए. – तृतीय वर्ष –2021–2022
B.A. Third Year - 2021-2022
प्रथम प्रश्न पत्रः आधुनिक तर्कशास्त्र
PAPER- I: Modern Logic

इकाई 1– तर्कशास्त्र का स्वरूप एवं परिभाषा, आगमन एवं निगमन पद्धति, तर्कवाक्य एवं उनके प्रकार, अनाकारिक तर्कदोष।

UnitI- Nature and Definition of Logic, Inductive and Deductive Method, Proposition and its kinds, Informal fallacies.

इकाई 2– निरपेक्ष तर्कवाक्यों में गुण, परिमाण एवं पदव्याप्ति, युक्ति का स्वरूप, परम्परागत विरोध वर्ग, निरपेक्ष तर्कवाक्यों के मानक आकार।

Unit II.-Quality, Quantity and distribution of terms in Categorical propositions, Nature of Argument, Traditional square of opposition, standard form of categorical propositions.

इकाई 3– न्याय वाक्यों के नियम एवं तर्कदोष, न्याय युक्तियों के आकार एवं अवस्थाऐं, वेन रेखा चित्र पद्धति, तार्किक संयोजक – संयोजन, निषेध, वियोजन, आपादंन, समतुल्यता, सत्यताफलन एवं सत्यता सारिणी।

Unit III- Rules and Fallacies of syllogism, moods and figures of syllogism, Venn Diagram Method; Logical Connectives- Conjunction, Negation, Disjuctions, Implication, Equivalence, Truth Function and Truth Table.

इकाई 4– कथन– सरल एवं मिश्रित, सत्यता एवं वैधता, पुनरूक्ति, सांयोगिक एवं व्याघाती कथन, मिल की विधियाँ।

Unit IV- Statement- simple and Compound, Truth and Validity, Tautology, Contingent and contradictory statements, Methods of Mill.

इकाई 5– प्राक्कल्पना, वैज्ञानिक एवं अवैज्ञानिक व्याख्या, बौद्ध एवं न्याय दर्शन में अनुमान का स्वरूप ' एवं प्रकार, हेत्वाभास।

Unit V- Hypothesis, Scientific and non scientific explanation, Nature and kinds of Inference in Buddhism and Nyaya Philosophy, Hetvabhasa.

अंक वितरण(नियमित)

Distribution of Marks (Regular)

1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न Objective questions:	5 X 1 = 5
2) लघु उत्तरीय प्रश्न Short answer questions:	5 X 2 = 10
3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न Long answer questions:	5 X 5 = 25
Total:	40

अंक वितरण(स्वाध्यायी)

Distribution of Marks (Private)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न Objective questions:	5 X 1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न Short answer questions:	5 X 3 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न Long answer questions:	5 X 6 = 30
Total:	50

नोटः दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में प्रत्येक 40 अंकों का होगा तथा सतत् व्यापक मूल्यांकन 10 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छः माही के होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्नपत्रों के कुल अंक 100 होंगे।
Note: The two Theory Papers will carry maximum marks 40 each and CCE (10 marks quarterly and 10 marks half yearly) will be of 20 marks. Thus total of both papers will be of 100 marks.

Unified Annual Syllabus (एकीकृत वार्षिक पाठ्यक्रम) : Philosophy- दर्शनशास्त्र
बी.ए. – तृतीय वर्ष –2021–2022
B.A. Third Year - 2021-2022
द्वितीय प्रश्न पत्र: धर्मदर्शन
PAPER- II: Philosophy of Religion

इकाई 1– धर्म का अर्थ, धर्मदर्शन का स्वरूप एवं समस्यायें, मानव जीवन में धर्म के स्थान पर विभिन्न विचार, धर्म का दर्शन एवं विज्ञान से संबंध

Unit I- Meaning of Religion, Nature and Problems of Philosophy of Religion,, Various Views on the place of Religion in Human life, Relation of religion with Philosophy and Science.

इकाई 2– धार्मिक अनुभव, रहस्यवाद, धार्मिक अनुभव का साधारण का अनुभव से अन्तर, धार्मिक भाषा, धार्मिक विश्वास की प्रकृति, धर्म निरपेक्षता, धर्मान्तरण (धर्म परिवर्तन)

Unit II.-Religious experience, Mysticism, Distinction of Religious experience with ordinary experience, Religious Language, nature of religious belief, Secularism, Religious conversion,

इकाई 3– बुद्धि एवं अन्तः प्रज्ञा, आस्था, ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण, अनीश्वरवाद,ईश्वर के बिना धर्म ।

Unit III- Intellect and Intuition, Faith, Proofs for the existence of God, Atheism, Religion Without God.

इकाई 4– आत्मा की अमरता, मोक्ष एवं उसकी प्राप्ति के उपाय, पुनर्जन्म का सिद्धांत, धर्म एवं नैतिकता।

Unit IV- Immortality of soul, Liberation and means for its attainment, Theory of Rebirth, Religion & Morality.

इकाई 5– (अ) स्वामी विवेकानन्द– सार्वभौम धर्म
(ब) महात्मा गॉधी – सर्वधर्म समभाव
(स) रवीन्द्रनाथ टैगोर – मानव धर्म
(द) धार्मिक अनेकतावाद एवं निरपेक्ष (अंतिम) सत्य की समीक्षा।

Unit V- (A) Swami Vivekanand- Universal Religion
(B) Mahatma Gandhi – Sarvadharma Sambhava.
(C) Ravindranath Tagore- Religion of Man.
(D) Religious Pluralism & Review of Absolute Truth.

अंक वितरण(नियमित)

Distribution of Marks (Regular)

1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
Objective questions:	5 X 1 = 5
2) लघु उत्तरीय प्रश्न	
Short answer questions:	5 X 2 = 10
3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
Long answer questions:	5 X 5 = 25
Total:	40

अंक वितरण(स्वाध्यायी)

Distribution of Marks (Private)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
Objective questions:	5 X 1 = 5
लघु उत्तरीय प्रश्न	
Short answer questions:	5 X 3 = 15
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
Long answer questions:	5 X 6 = 30
Total:	50